#### **GOVERNMENT COLLEGE, JATAULI HAILY MANDI, GURUGRAM**

Report and pictures of two seminars organized by the Department of Geography









## OFFICE OF THE PRINCIPAL GOVT. COLLEGE JATAULI HAILY MANDI GURUGRAM

To

The Director Higher Education Haryana Shiksha Sadan, Panchkula

Memo No : - 3422

Dated: 9/2/2019

Subject: Details of National Seminar to be organize on February 16<sup>th</sup> 2019.

With ref to your letter no 5/2-2018NPE (2) dated 14/08/2018 subject cited above. The details of resource persons as per technical sessions are given below:

 ❖ 1<sup>st</sup> Technical Session - Sh. Gaurav Antil, HCS, General Manager Haryana Roadways, Gurugram

\* 2<sup>nd</sup> Technical Session - Dr. Pankaj Kumar (University of Delhi)

3<sup>rd</sup> Technical Session - Dr. Ravinder Singh (Retd. Principal)

4<sup>th</sup> Technical Session - Dr. Shsheel Kumar (Chaudhary Charan Singh University Meerut

This is for your info please.

Principal
GOVT. COLLEGE SUPPLIN
Haily Mandk(Swepara)



### ट्रैफिक जाम की समस्या पर 16 को नेशनल सेमीनार

राजकीय महाविद्यालय जाटौली हेलीमंडी के द्वारा पहल

- उच्चतर शिवा विमाग पंचकुला हरियाणा द्वारा प्रायोजित किया गया
- विभिन्न विश्वविद्यालयों से रिसोर्स पर्यन्स को बुलाया जायेग

प्रयुक्ति @ गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय जाटौली हेलीमंडी के भूगोल विभाग के को उच्चतर शिक्षा विभाग द्वारा भारत में ट्रैफिक नाम की पंचकुला हरियाणा के द्वारा समस्या को लेकर एक नेशनल प्रायोजित किया गया है । सेमिनार का आयोजन १६ फरवरी २०१९ को किया जायेगा। प्राचार्य, विरेंद्र अंतिल की के विभिन्न विश्वविद्यालयों से अध्यक्षता तथा भूगोल की रिसोर्स पर्सन्स को बुलाया विभागध्यक्षा, वंदना राय की



को उच्चतर शिक्षा विभाग

प्राचार्य, विरेंद्र अंतिल का कहना कि इस सेमिनार में देश जायेगा। जिसमें हरियाणा देखरेख में हो रहे इस सेमिनार रोडवेज गुरुग्राम के जनरल

गौरव अंतिल मेनेजर (एच..सी.एस.) भी रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित होंगे , ताकि इस सेमीनार में भाग लेने वाले शोधार्थियों, विद्यार्थियों तथा शिक्षाविदों को टैफिक जाम की समस्या के समाधान के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानकारी मिल सके । भूगोल विभाग के द्वारा इस नेशनल सेमिनार के आयोजन के लिये प्राचार्य ने कहा कि यह विभाग के द्वारा एक अच्छी पहल है जो देश की इस तरह की समस्या को देखते हुए उच्चतर शिक्षा विभाग को प्रस्ताव भेजा गया ।

गत वर्ष भी भूगोल विभाग के द्वारा भूमिगत जल के गिरते

हुए जल स्तर को लेकर राष्ट्रीय स्तर के सेमीगर का आयोजन किया गया था । भूगोल की विभाग्ध्यक्षा, वंदना राय ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2019 -20 के लिये देश की एक गंभीर समस्या को लेकर अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के सेमिनार के आयोजन का प्रस्ताव बना लिया गया है, जो जल्दी ही उच्चतर शिक्षा विभाग को स्वीकृति के लिये जायेगा । जिससे भेजा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर देश की समस्या को लेकर विचार साझा करके समस्या का निवारण किया जा सके तथा देश के विकास में सहयोग किया जा सके।

Mon, 11 February 2019 epaper prayukti.net/c/36608212



## OFFICE OF THE PRINCIPAL GOVT. COLLEGE JATAULI HAILY MANDI GURUGRAM

To

The Director Higher Education Haryana Shiksha Sadan, Panchkula

Memo No 2187

Dated: 8/2/18

Subject: Details of National Seminar to be organize on February 10<sup>th</sup> 2018.

With ref to your letter no 5/7-2017NPE (2) dated 23/08/2017 subject cited above. The details of resource persons as per technical sessions are given below:-

Ist Technical Session - Dr. Subhan Khan Chief Scintist (Retd.)

2<sup>nd</sup> Technical Session - Dr. Ashok Diwakar Vice- Chancellor Starex University

3<sup>rd</sup> Technical Session - Sh. Shamsher Singh Yadav (Reid. Principal)

4<sup>th</sup> Technical Session - Dr. Naresh Malik (University of Rajasthan)

GOVT. COLLEGE, JATAULI Hally Mandi (Gurgeon)









# आने वाली पीढ़ी के लिए जल संजोना जरूरी

- जाटौली कॉलेज में जल संरक्षण पर राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन
- सेमिनार में विभिन्न कॉलेजों के लगभग
   २०० प्रतिमागियों ने हिस्सा लिया

#### प्रयुक्ति @ गुरुग्राम

राजकीय महाविद्यालय जाटौली हेली मंडी के भूगोल विभाग में प्राचार्य सुरेश कुमार धनेरवाल के नेतृत्व तथा भूगोल विभाग की अध्यक्ष वंदना राय की देखरेख में उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा (पंचकूला) द्वारा प्रायोजित एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। सेमिनार में हरियाणा के राजकीय कॉलेजों के लगभग 200 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञ के रूप में डॉ. सुभान खान, शमशेर सिंह यादव, डॉ. नरेश मलिक तथा सुरेंद्र सिंह चौहान (राजस्थान विश्वविद्यालय जयपुर) पहुंचे। उन्होंने सेमिनार के विषय पर



अपने-अपने विचार प्रकट करके बताया कि भविष्य में जल की कमी के कारण क्या-क्या परेशानी उठानी पड़ सकती है और किस तरह से उस परेशानी बचा जा सकता है। कॉलेज के प्राचार्य धनेरवाल ने सेमिनार में आए विशेषज्ञों को स्मृति विह्न देकर तथा बाहर के कॉलेजों से आए प्रतिभागियों का आभार प्रकट किया। सेमिनार की संयोजक वंदना राय ने धन्यवाद भाषण में कहा कि अगले सत्र में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के लिए उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा पंचकृला के पास प्रस्ताव भेजा जाएगा।